तू दर गुफा दा खोल बाबा

चा दिल दे दिल विच रह गए ने की वर्तेया बाना है,
तू दर गुफा दा खोल बाबा असि दर्शन पौना है,

दिल खुपा मार के रोया है एह सादिया विच होया है
किथों चल करोना आया है क्यों दर गुफा दा ढोया है
अखियां को अथरु वग दे भुलैया पीना खाना है,
तू दर गुफा दा खोल बाबा असि दर्शन पौना है,

दुनिया दी रख्या कर बाबा खुशिया होवण घर घर बाबा,
हो जाए दूर करोना दुनिया तो कोई ऐसा मंत्र पड़ बाबा,
आजा करके मोर सवारी जोगी उल्जिया थाना है
तू दर गुफा दा खोल बाबा असि दर्शन पौना है,

एह समय दे चखड झूले ने इक गल सब दु:ख विच बुले ने,
लोहे दे गेट बंद होये दिल दे दरवाजे खुले ने,
धर्म वीर निशु न आखे भगता ना गबराना है
तू दर गुफा दा खोल बाबा असि दर्शन पौना है,

Source: https://www.bharattemples.com/tu-dar-gufa-da-khol-baba/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw